विद्या सर्वार्थ साधिका

आनंदालय

सामयिक परीक्षा-1

कक्षा : बारहवीं

विषय : हिंदी (**302**) अधिकतम अंक : 40

दिनांक :19-07-2023 अधिकतम समय : 1 घंटा 30 मिनट

सामान्य निर्देश :-

1. यह प्रश्न पत्र दो खण्डों में विभाजित है - 'अ', और 'ब'
2. खंड 'अ' में कुल तीन बहुविकल्पीय प्रश्न (उप प्रश्नों सहित) हैं और खंड 'ब' में छह वर्णनात्मक (उप प्रश्नों सहित) प्रश्न हैं |
3. प्रश्नोत्तर क्रमशः लिखे जाने चाहिए |
4. बहुविकल्पीय प्रश्नों की क्रम संख्या व चयनित उत्तर पूर्ण व स्पष्ट रूप से लिखना आवश्यक है |
5. लिखावट सुंदर और स्पष्ट होनी चाहिए |

<u>खंड - 'अ'</u> (बहुविकल्पीय)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक अवलोकन कीजिए तथा नीचे दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए:- (1x5=5)

आज किसी भी व्यक्ति का सबसे अलग एक टापू की तरह जीना संभव नहीं रह गया है। मानव समाज में विभिन्न पंथों और विविध मत-मतांतरों के लोग साथ-साथ रह रहे हैं। ऐसे में यह अधिक आवश्यक हो गया है कि लोग एक-दूसरे को जानें, उनकी आवश्यकताओं एवं उनकी इच्छाओं-आकांक्षाओं को समझें, उन्हें वरीयता दें और उनके धार्मिक विश्वासों, पद्धतियों, अनुष्ठानों को सम्मान दें । भारत जैसे देश में यह और भी अधिक आवश्यक है, क्योंकि यह देश किसी एक धर्म, मत या विचारधारा का नहीं है। स्वामी विवेकानंद इस बात को समझते थे और अपने आचार-विचार में वे अपने समय से बहुत आगे थे । उन्होंने धर्म को मनुष्य की सेवा के केंद्र में रखकर ही आध्यात्मिक चिंतन किया था । उन्होंने यह विद्रोही बयान दिया कि इस देश के तैंतीस करोड़ भूखे, दरिद्र और कुपोषण के शिकार लोगों को देवी-देवताओं की तरह मंदिरों में स्थापित कर दिया जाए और मंदिरों से देवी-देवताओं की मूर्तियों को हटा दिया जाए । उनका दृढ़ मत था कि विभिन्न धर्मों-संप्रदायों के बीच संवाद होना ही चाहिए। वे विभिन्न संप्रदायों की अनेकरूपता को उचित और स्वाभाविक मानते थे। स्वामी जी विभिन्न धार्मिक आस्थाओं के बीच सामंजस्य स्थापित करने के पक्षधर थे और सभी को एक ही धर्म का अनुयायी बनाने के विरुद्ध थे । वे कहा करते थे- "यदि सभी मानव एक ही धर्म को मानने लगें, एक ही पूजा-पद्धति को अपना लें और एक-सी नैतिकता का अनुपालन करने लगें, तो यह सबसे दुर्भाग्यपूर्ण बात होगी, क्योंकि यह सब हमारे धार्मिक और आध्यात्मिक विकास के लिए प्राणघातक होगा तथा हमें हमारी सांस्कृतिक जड़ों से काट देगा।" स्वामी विवेकानंद

हिंदू धर्म में सुधार लाना चाहते थे और हिंदुओं में गर्व और आत्मविश्वास का भाव उत्पन्न करना चाहते थे। हिंदू धर्म एक ओर रूढ़िवादिता और दूसरी ओर अंग्रेजों द्वारा देश पर पश्चिमी विचार थोपे जाने से पीड़ित था । विवेकानंद का सबसे बड़ा योगदान यह था कि उन्होंने औपनिवेशिक शासन से मुक्ति के लिए संघर्ष को आध्यात्मिक आधार दिया और नैतिक व सामाजिक दृष्टि से हिंदू समाज में उत्थान के लिए काम किया।

(i) 'टापू की तरह' जीने से लेखक का क्या आशय है?

(क) घमंड में रहना (ख) समाज से अलग रहना

(ग) समाज से जुड़कर रहना (घ) विनम्र बनकर रहना

(ii) भारत जैसे देश में एक-दूसरे से मिलकर रहना आवश्यक क्यों है ?

(क) समाज से अलग रहकर जीना संभव न होने के कारण

(ख) विभिन्न धर्म, मतों व विचारधारा के लोग होने के कारण

(ग) हिंदू धर्म को अधिक महत्त्व देने के कारण

(घ) आध्यात्मिक जीवन मूल्यों की महत्ता के कारण

(iii) विभिन्न पंथों और मत-मतांतरों के लोग मिलकर नहीं रहेंगे तो उसका क्या परिणाम होगा ?

(क) समाज में शांति स्थापित होगी (ख) धार्मिक संस्थानों में विवाद नहीं होगा

(ग) सभी का जीवन और अधिक कठिन हो जाएगा (घ) सभी का जीवन सुखमय हो जाएगा

(iv) गद्यांश के अनुसार स्वामी विवेकानंद किस बात को भली-भाँति समझते थे ?

(क) भारत देश किसी एक धर्म, मत या विचारधारा का नहीं है

(ख) भारत में विभिन्न धर्मों, संप्रदायों के बीच संवाद नहीं होना चाहिए

(ग) भारत में सभी धर्मों को स्थान देना उचित नहीं है

(घ) भारत में धार्मिक अनुष्ठानों को महत्त्व नहीं देना चाहिए

(v) विवेकानंद जी द्वारा दिए गए बयान का आधार क्या था?

(क) समाज में अशांति फैलाना (ख) हिंदू धर्म का विरोध करना

(ग) धर्म को मनुष्य की सेवा के केंद्र में रखना (घ) समाज में व्याप्त रुढ़ियों को समाप्त करना

2. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए - (1x5=5)

(i) भक्तिन के ससुराल वालों ने उसके पति की मृत्यु पर उसे पुनर्विवाह के लिए क्यों कहा ?

(क) ताकि भक्तिन सुखी वैवाहिक जीवन व्यतीत कर सके

(ख) ताकि वे भक्तिन की घर-संपत्ति को हथिया सकें

(ग) ताकि वे भक्तिन से छुटकारा पा सकें

(घ) ताकि वे भक्तिन को पुनः समाज में सम्मान दे सकें

(ii) बाज़ार के जादू का प्रभाव कब पड़ता है ?

(क) जब ग्राहक का मन खाली होता है (ख) जब ग्राहक का मन भरा हुआ होता है

(ग) जब ग्राहक के साथ उसकी पत्नी होती है (घ) जब ग्राहक गरीब होता है

(iii) हरिवंशराय बच्चन किस का भार लिए फिरता है ?

(क) घर-बार का (ख) कार्यालय का (ग) जग-जीवन का (घ) आस-पास का

(iv) सिल्वरवैडिंग पाठ में कितनी पीढ़ियों का टकराव दिखाया गया है -

(क) एक (ख) दो (ग) तीन (घ) चार

(v) किसन दा मृत्यु हुई -

(क) गाँव में (ख) शहर में

(ग) सड़क पर (घ) कार्यालय में

3. निम्नलिखित **पद्**यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए - (1x6=6)

मैं निज उर के उद्गार लिए फिरता हूँ
मैं निज उर के उपहार लिए फिरता हूँ
है यह अपूर्ण संसार न मुझको भाता
मैं स्वप्नों का संसार लिए फिरता हूँ।

मैं जला हृदय में अग्नि, दहा करता हूँ
सुख-दुख दोनों में मग्न रहा करता हूँ,
जग भव-सागर तरने की नाव बनाए,
मैं भव-मौजों पर मस्त बहा करता हूँ।

(i) कवि के हृदय में कौन-सी अग्नि जल रही है ?

(क) दावाग्नि (ख) प्रेमाग्नि

(ग) बड़वाग्नि (घ) जठराग्नि

(ii) 'निज उर के उद्गार व उपहार' से कवि का क्या तात्पर्य है ?

(क) कवि अपने विरह को दर्शाना चाहता है

(ख) कवि अपने हृदय के बोझ को हलका करना चाहता है

(ग) कवि समाज में खुशियाँ बाँटना चाहता है

(घ) कवि समाज में फैली बुराइयों से अवगत कराना चाहता है

(iii) कवि को यह संसार अच्छा क्यों नहीं लगता ?

(क) संसार मक्कार है

(ख) संसार में प्रेम भाव है

(ग) संसार अत्य स्वार्थी है

(घ) संसार अधूरा है, उसमें प्रेम नहीं है और वह बनावटी व झूठा है

(iv) संसार में कष्टों को सहकर भी खुशी का माहौल कैसे बनाया जा सकता हैं ?
(क) ध्यान रहे सुख भोगना पड़ेगा
(ख) ध्यान रहे कष्टों को सहना पड़ेगा। इसलिए मनुष्य को हँसते हुए जीना चाहिए
(ग) ध्यान रहे शांति से जीना पड़ेगा
(घ) ध्यान रहे किसी की परवाह किए जीना पड़ेगा

(v) 'मैं स्वप्नों का संसार लिए फिरता हूँ ।' पंक्ति में अलंकर है -
(क) यमक (ख) अनुप्रास (ग) उपमा (घ) पुनरुक्ति प्रकाश

(vi) 'सुख-दुख' में समास है -
(क) बहुब्रीहि (ख) तत्पुरुष (ग) द्वंद्व (घ) द्विगु

<u>खंड- 'ब ' (वर्णनात्मक)</u>

4. प्रिंट मिडिया के कौन-कौन से लाभ हैं ? सोदाहरण लिखिए | (2x1=2)

5. 'विद्यालय में विद्यार्थी ही नमकीन-चाकलेट्स के बाहरी आवरण आदि प्लास्टिक की खराब वस्तुएँ फेंकते हैं ।' समाधान प्रस्तुत करें । (1x3=3)

6. निम्नलिखित तीन में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए - (2x3=6)

(i) पाठ के आधार पर भक्तिन की तीन विशेषताएँ बताइए ।

(ii) लेखक ने पाठ में संकेत किया है कि कभी-कभी बाज़ार में आवश्यकता ही शोषण का रूप धारण कर लेती है । क्या आप इस विचार से सहमत हैं ? तर्क सहित उत्तर दीजिए ।

(iii) आत्मपरिचय' कविता में कवि ने अपने जीवन में किन परस्पर विरोधी बातों का सामंजस्य बिठाने की बात की है ?

7. 'सिल्वर वैडिंग' वर्तमान युग में बदलते जीवन-मूल्यों की कहानी है। सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। (3x1=3)

अथवा

'सिल्वर वैडिंग' कहानी में आधुनिक पारिवारिक मूल्यों के विघटन का यथार्थ चित्रण है। उदाहरण देते हुए इस कथन का विवेचन कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 100 शब्दों में निबंध लेखन कीजिए | (5x1=5)

(क) बेरोज़गारी : समस्या और समाधान
(ख) किसी मेले का आँखों देखा वर्णन
(ग) गोस्वामी तुलसीदास

9. 'विद्यार्थियों में बढ़ती अनुशासनहीनता' विषय पर चिंता व्यक्त करते हुए एक सारगर्भित लेख को प्रकाशित करवाने के लिए दैनिक जागरण समाचार पत्र के सम्पादक को 80 से 100 शब्दों में पत्र लिखिए। (5x1=5)

अथवा

अमरिकी कंपनी ली-मेरिडिन में शाखा प्रबंधक पद के लिए 80 से 100 शब्दों में स्ववृत्त लेखन कीजिए ।